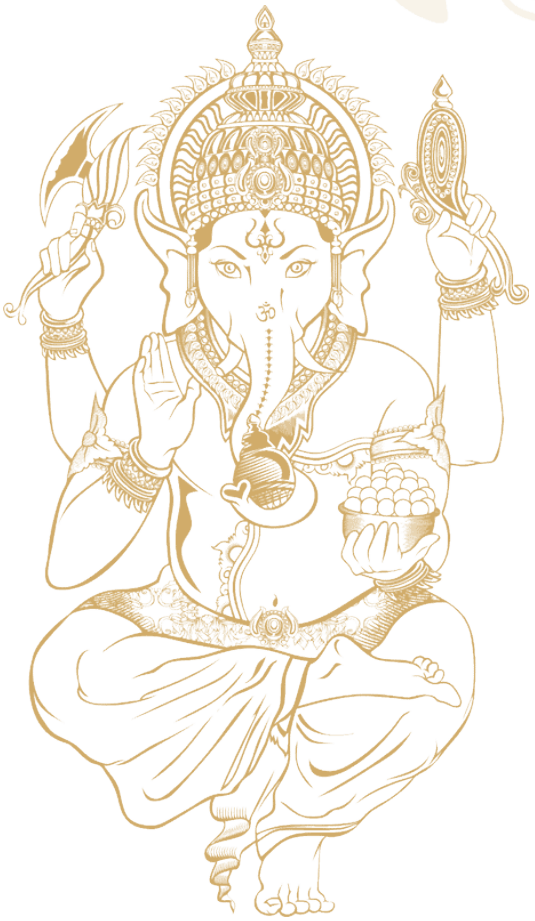

Mr.

17 Apr 2024

04:47 PM

Jammu

Model: web-freekundliweb

Order No: 121866802

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**17/04/2024**
दिन	बुधवार
जन्म समय	**16:47:00 घंटे**
इष्ट	27:00:54 घटी
स्थान	**Jammu**
राज्य	Jammu and Kashmi
देश	India

अक्षांश	32:42:00 उत्तर
रेखांश	74:52:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:30:32 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	16:16:28 घंटे
वेलान्तर	00:00:30 घंटे
साम्पातिक काल	06:00:47 घंटे
सूर्योदय	05:58:38 घंटे
सूर्यास्त	19:01:59 घंटे
दिनमान	13:03:21 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	वसन्त
सूर्य के अंश	03:44:26 मेष
लग्न के अंश	05:58:19 कन्या

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	कन्या - बुध
राशि-स्वामी	**कर्क - चन्द्र**
नक्षत्र-चरण	**आश्लेषा - 2**
नक्षत्र स्वामी	बुध
योग	शूल
करण	तैतिल
गण	राक्षस
योनि	मार्जार
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	विप्र
वश्य	जलचर
वर्ग	श्वान
युँजा	मध्य
हंसक	जल
जन्म नामाक्षर	डू-डूंगरमल
पाया(राशि-नक्षत्र)	स्वर्ण - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मेष

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			कन्या	05:58:19	307:47:05	उ०फाल्गुनी	3	12	बुध	सूर्य	बुध	---
सूर्य			मेष	03:44:26	00:58:40	अश्विनी	2	1	मंगल	केतु	चंद्र	उच्च राशि
चंद्र			कर्क	22:27:01	12:00:11	आश्लेषा	2	9	चंद्र	बुध	चंद्र	स्वराशि
मंगल			कुंभ	25:36:59	00:46:31	पू०भाद्रपद	2	25	शनि	गुरु	बुध	सम राशि
बुध	व	अ	मीन	24:24:28	00:36:54	रेवती	3	27	गुरु	बुध	राहु	नीच राशि
गुरु			मेष	26:48:21	00:13:39	कृतिका	1	3	मंगल	सूर्य	सूर्य	मित्र राशि
शुक्र			मीन	20:59:54	01:14:02	रेवती	2	27	गुरु	बुध	शुक्र	उच्च राशि
शनि			कुंभ	21:10:04	00:06:02	पू०भाद्रपद	1	25	शनि	गुरु	गुरु	स्वराशि
राहु			मीन	21:22:29	00:01:16	रेवती	2	27	गुरु	बुध	शुक्र	सम राशि
केतु			कन्या	21:22:29	00:01:16	हस्त	4	13	बुध	चंद्र	शुक्र	शत्रु राशि
हर्ष			मेष	27:26:11	00:03:15	कृतिका	1	3	मंगल	सूर्य	चंद्र	---
नेप			मीन	04:18:00	00:02:02	उ०भाद्रपद	1	26	गुरु	शनि	शनि	---
प्लूटो			मक	07:51:13	00:00:26	उत्तराषाढ़ा	4	21	शनि	सूर्य	शुक्र	---
दशम भाव			मिथु	05:59:04	--	मृगशिरा	--	5	बुध	मंगल	चंद्र	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:11:42

लग्न-चलित

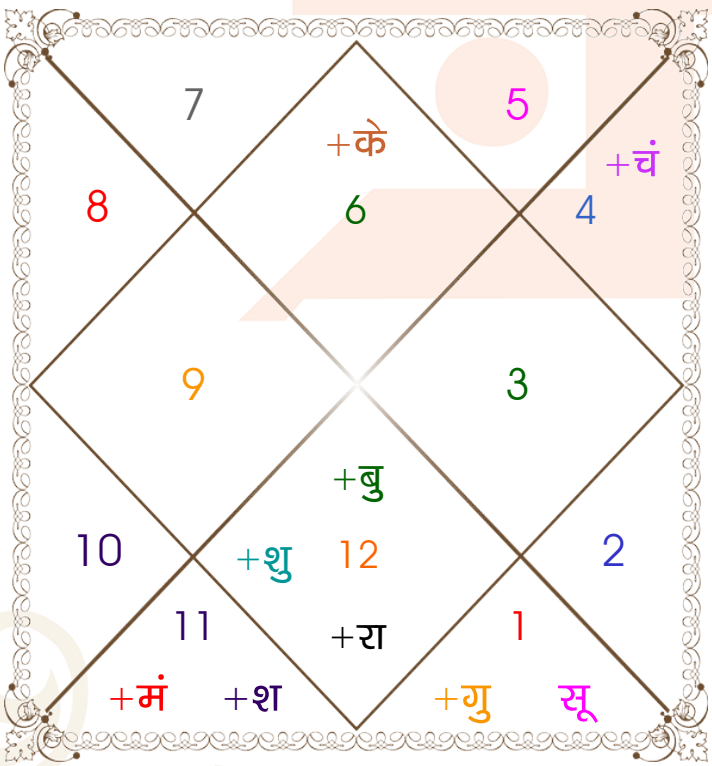

चन्द्र कुंडली

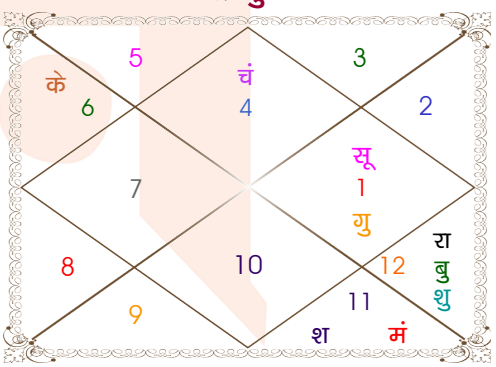

नवमांश कुंडली

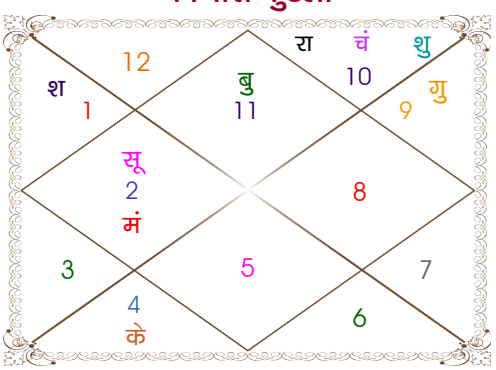

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : बुध 9 वर्ष 7 मास 15 दिन

बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष	
17/04/2024		02/12/2033		02/12/2040		02/12/2060		02/12/2066	
02/12/2033		02/12/2040		02/12/2060		02/12/2066		02/12/2076	
	00/00/0000	केतु	30/04/2034	शुक्र	02/04/2044	सूर्य	21/03/2061	चंद्र	03/10/2067
	00/00/0000	शुक्र	30/06/2035	सूर्य	03/04/2045	चंद्र	20/09/2061	मंगल	03/05/2068
	00/00/0000	सूर्य	05/11/2035	चंद्र	02/12/2046	मंगल	26/01/2062	राहु	02/11/2069
	17/04/2024	चंद्र	05/06/2036	मंगल	01/02/2048	राहु	21/12/2062	गुरु	04/03/2071
चंद्र	02/06/2025	मंगल	01/11/2036	राहु	01/02/2051	गुरु	09/10/2063	शनि	02/10/2072
मंगल	31/05/2026	राहु	20/11/2037	गुरु	02/10/2053	शनि	20/09/2064	बुध	03/03/2074
राहु	17/12/2028	गुरु	27/10/2038	शनि	02/12/2056	बुध	27/07/2065	केतु	02/10/2074
गुरु	25/03/2031	शनि	06/12/2039	बुध	03/10/2059	केतु	02/12/2065	शुक्र	02/06/2076
शनि	02/12/2033	बुध	02/12/2040	केतु	02/12/2060	शुक्र	02/12/2066	सूर्य	02/12/2076

मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष	
02/12/2076		03/12/2083		03/12/2101		03/12/2117		03/12/2136	
03/12/2083		03/12/2101		03/12/2117		03/12/2136		00/00/0000	
मंगल	30/04/2077	राहु	15/08/2086	गुरु	21/01/2104	शनि	06/12/2120	बुध	01/05/2139
राहु	18/05/2078	गुरु	07/01/2089	शनि	04/08/2106	बुध	16/08/2123	केतु	28/04/2140
गुरु	24/04/2079	शनि	14/11/2091	बुध	08/11/2108	केतु	24/09/2124	शुक्र	27/02/2143
शनि	02/06/2080	बुध	03/06/2094	केतु	15/10/2109	शुक्र	24/11/2127	सूर्य	03/01/2144
बुध	30/05/2081	केतु	21/06/2095	शुक्र	15/06/2112	सूर्य	05/11/2128	चंद्र	18/04/2144
केतु	27/10/2081	शुक्र	21/06/2098	सूर्य	04/04/2113	चंद्र	07/06/2130		00/00/0000
शुक्र	27/12/2082	सूर्य	16/05/2099	चंद्र	04/08/2114	मंगल	17/07/2131		00/00/0000
सूर्य	04/05/2083	चंद्र	15/11/2100	मंगल	10/07/2115	राहु	23/05/2134		00/00/0000
चंद्र	03/12/2083	मंगल	03/12/2101	राहु	03/12/2117	गुरु	03/12/2136		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल बुध 9 वर्ष 7 मा 27 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म उत्तराफाल्गुनी नक्षत्र के तृतीय चरण में, कन्या लग्न में हुआ था। आपके जन्म के समय मेदिनीय क्षितिज पर कन्यालग्न के साथ-साथ कुंभ राशि का नवमांश एवं कन्या राशि का ही द्रेष्काण लग्न भी उदित था। उपर्युक्त संयोजनों से यह संकेत प्राप्त हो रहा है कि आपकी प्रवृति धन संग्रह किया जाय, यह विषय महत्वपूर्ण नहीं है। इस प्रवृति को झुकाव का अन्तिम परिणाम क्या होगा। इसका कोई अर्थ नहीं है। अतः यह ज्ञात हो रहा है कि आपका लक्ष्य अपने धन्धों में सफलता प्राप्त करना है। किसी रूप में अपने लक्ष्य की ओर से विमुख हो जाना आपकी अर्कमण्यता प्रमाणित होगा, ऐसा समझते है। वास्तव में वह भगवान आपकी सहायता कर सकते हैं।

मुख्यतया आप अपने जीवन की 28 वें वर्ष की आयु से 31 वें वर्ष की आयु के मध्य पूर्णरूपेण सफल हो सकते हैं। जबकि आप बहुत प्रकार की वस्तुओं का लाभ प्राप्त करेगें। आप अपनी उदारतापूर्वक नीति एवं धनशील प्रवृति के कारण आनन्ददायक जीवन बिताने में सफल होंगे। आपकी आँखे आकर्षक हैं जिसके प्रभाव से आप विपरीत यानि के साथ आनन्द प्राप्त करेंगे। आपको अपनी दुबले पतले शारीरिक आकृति के प्रभाव से अनुकूल लाभ एवं श्रेष्ठता प्राप्त होगा। आपकी आकर्षक आँखे एवं दिलचस्प (बदलाव) हाव-भाव विपरीत यानि के प्राणियों के मध्य लोकप्रिय रहेगा।

आप वणिक प्रवृति के प्राणी है तथा आपका झुकाव व्यवसायिक ही रहेगा। आपके लिए योग्य सेवावृति अथवा व्यवसायों में व्यवसायिक लेखा-जोखा कार्य अथवा लेखा परीक्षण कार्य पसन्द करेंगे। परन्तु आप व्यवसायिक साहसिक कार्य जैसे सट्टेबाजी, शेयर क्रय-विक्रय में अपना धन लगाना चाहेंगे। आप सदैव पूर्ण सचेत रहकर अपनी लागत का किचिंत लाभांश भी निश्चित रूप से प्राप्त करना चाहेंगे। अतः आप अपनी धन राशि की सुरक्षा के प्रति सतर्क रहेंगे।

आप पूर्ण विद्वान एवं कुशाग्रबुद्धि के पुरूष है। आपकी बुद्धि तीक्ष्ण है एवं आप धन प्राप्ति हेतु, तत्पर रहेंगे। आप किसी भी परिस्थिति में जनसामान्य के साथ वैधानिकता निभाएंगे। जब लोग, सदैव आपकी त्रुटि पूर्ण भूमिका की प्रतिक्रयात्मक आलोचना करेंगे तब आपकी मनोदशा क्षीण एवं दुर्बल हो जाएगी।

आपको इस प्रकार के दृष्टिकोण में बदलाव लाना होगा-अन्यथा आप अनेक व्यक्ति को अपना शत्रु बना लेंगे। इस परिस्थिति में क्या आप उस परिस्थिति का सामना कर सकेंगे संभाल सकेंगे जबकि आपके मित्र और अधिनस्थ कर्मचारी आपको जन सामान्य की नजरों में नीचा दिखाएंगे तथा आप पर घृणित कलंक लगाकर आपके विरूद्ध आनन्दोलन प्रारम्भ कर देंगे।

आप उस समय वैवाहिक बंधन का अर्थ और महत्व के संबंध में पश्चाताप करोगे कि यह बंधन कैसा होता है। इस प्रकार की परिस्थिति प्रायः कन्या राशि गत व्यक्तियों के साथ अति संभाव्य है। क्योंकि वैवाहिक सम्बंध के प्रति सहज ही प्रवृत हो जाना इस राशिगत व्यक्तियों का स्वाभाविक गुण है। परन्तु इस परिस्थिति में विवाह करके नये परीन्दों को घर में लाना, अपनी प्रेमिका के प्रति एवं अपने अभिभावक के प्रति खेलवार करना प्रमाणित होता है। इस

प्रकार इस राशि का प्राणी किसी भी शर्त्त पर पत्नी का गुलाम हो सकता है।

परन्तु आपकी एक अच्छी पत्नी एवं सुव्यवस्थित बच्चे होंगे जो अपने जीवन में पूर्व विकास करेंगे।

आप हृष्ट पुष्ट रह कर अपने स्वस्थ्य जीवन का आनन्द अपनी पूरी आयु भर प्राप्त करेंगे। तथापि आपके लिए उत्तम तो यह है कि आप कुछ संभाव्य रोगादि के प्रति सतर्क रहें, जिसके प्रभाव से आप टायफायड, दस्त रोग, पीठ के दर्द अथवा रक्तचाप जैसी व्याधि का कुप्रभाव आपके जीवन पर पड़ सकता है। आप अपने अत्यधिक भोजन करने की प्रवृति पर कठोर नियंत्रण रखें तथा अतिरिक्त भोजन के रूप में शाकाहार ग्रहण करे। किसी भी परिस्थिति में मध्यपान न करें। अर्थात् शराब आदि नशीली पदार्थों को स्पर्श न करें।

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन बुधवार तथा शुक्रवार है। परन्तु आपको रविवार, गुरूवार, मंगलवार एवं सोमवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये चारों दिन आपके लिए अनुकूल नही है। शनिवार आप के लिए मध्य फलदायक है।

आपके लिए अंक 2, 3, 5, 6 एवं 7 अंक का प्रभाव बहुत अच्छा रहेगा। आप अंक 1 एवं 8 अंक सर्वथा परित्याग करे।

आपके लिए रंग लाल, नीला एवं काला रंग है। इसका त्यागकर रंगों में पीला, सूआ पंखी, हरा और सफेद रंग का व्यवहार आपके लिए उत्तम है।